Contribution of Alexander von Humboldt

→ जर्मनी के प्रासिया में एक कुलीन परिवार में हमबोल्ट महोदय का जन्म हुआ। जब ये छोटे थे तब ही इनके पिता की मृत्यु हो गई और माँ ने दूसरी शादी कर ली थी इन्हीं कारणों से इनका बचपन सुखद नहीं था

→ सांसारिक वस्तुएं इन्हें नहीं भाती थी और खाली समय में यात्रा संबंधी पुस्तकें पढ़ना पसंद करते थे।

→ वाणिज्य, वनस्पतिशास्त्र, खनिजशास्त्र, भू-विज्ञान अर्थशास्त्र तथा भूगोल का अध्ययन किया और भूगोल में जियोग्नेसिया नामक लैटिन भाषा शब्द का उपयोग किया जिसका मतलब (अर्द्धकुर्द) पृथ्वी का विज्ञान था।

→ इनका अध्ययन प्राकृतिक तथ्यों पर निर्भर रहता था

→ जार्ज फॉस्टर महोदय के साथ मिलकर जर्मनी के राइन नदी के बेसाल्ट का अध्ययन किये थे। इस अध्ययन से वे काफी प्रभावित हुए और एक पुस्तक लिखी जिसका नाम (A detail Study on the basalt deposite near Ankel on the Rhine)

→ अपने यात्राओं से मिलने वाले पेड़ पौधों का भी सूक्ष्म अध्ययन करते रहते थे।

→ इन्हें जर्मनी के प्रासिया में ही 1792 में खनिज इंजीनियर नियुक्त किया गया। लेकिन शुरु से ही अनोखी खोजों में इनकी रुची थी जिसके कारण इन्होंने माँ के मृत्यु के पश्चात नौकरी छोड़कर स्वतंत्र रूप से विश्व भ्रमण के लिए निकल पड़े

→ 1798 में फ्रांसीसी वैज्ञानिक बोनपालैण्ड से इनका परिचय हुआ और उनके साथ ही स्पेन की राजधानी मैड्रिड पहुँचे। जहाँ उन्होंने वायुमंडल में ऊँचाई के अनुसार बदलते तापमान का अध्ययन किया और बताया कि जैसे-जैसे हम ऊँचाई पर जाते है तापमान में कमी आती है

Scanned with CamScanner

→ इसके पश्चात बोनपालैण्ड के साथ स्पेन से दक्षिण अमेरिका में वेनेजुएला के कराकस पहुँचे और वहां मानव अधिवास का अध्ययन किया और वहीं स्थित वैलेन्सिया झील का अध्ययन किया तथा बताया कि वनों कि कटाई से वर्षा में कमी आती है।

→ वेनेजुएला में नदियों का अध्ययन किया तथा बताया कि ओरीनिको नदी आमेजन नदी से जुड़ी हुई है एसी भूमध्यरेखीय जलवायु उच्च तापमान जंगली जीव जन्तु, मच्छर, कम खाना आदि कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। आमेजन नदि का शीर्ष खोजते हुए वह क्यूबा पहुँचे और वहाँ के अर्थव्यवस्था और समाज का अध्ययन करने का निर्णय लिए

→ इसके बाद क्यूबा से दक्षिण अमेरिका के कोलम्बिया पहुँचे जहाँ एण्डिज पर्वत का सर्वेक्षण किया। यात्रा में वे हमेशा सेक्सटेण्ट, दूरबिंद, साइनोमीटर, बैरोमीटर आदि उपकरण ले कर चलते थे ताकि क्रमबद्ध रूप से देशांतर और अक्षांश, तापमान को रिकॉर्ड कर सके

→ इन्होंने एण्डिज का एक वनस्पति वितरण मानचित्र भी तैयार किया और उच्चता संबंधी वर्गीकरण की अवधारणा प्रस्तुत किया

→ कोलंबिया से इक्वेडोर में चिंबोराजो पर्वत की चोटी पर गए और ऊंचाई पर जाने के पश्चात मानव शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है इसका अध्ययन किया

→ इसके बाद पेरु की राजधानी लीमा पहुँचे और समुंद्र तटीय इलाके, समुद्री धाराओं का अध्ययन किया तथा पेरु के पश्चिमी तट पर ठंडी जलधारा की खोज की जिसे पेरु की धारा या हम्बोल्ट के

उत्थान के नाम से जानते हैं।

→ इसके बाद बोनपार्लैण्ड के साथ मैक्सिको पहुँचे और वहां के भौगोलिक और आर्थिक व्यवस्था का अध्ययन किया

→ आकड़ो के आधार पर मैक्सिको और क्यूबा का प्रादेशिक भूगोल लिखा था

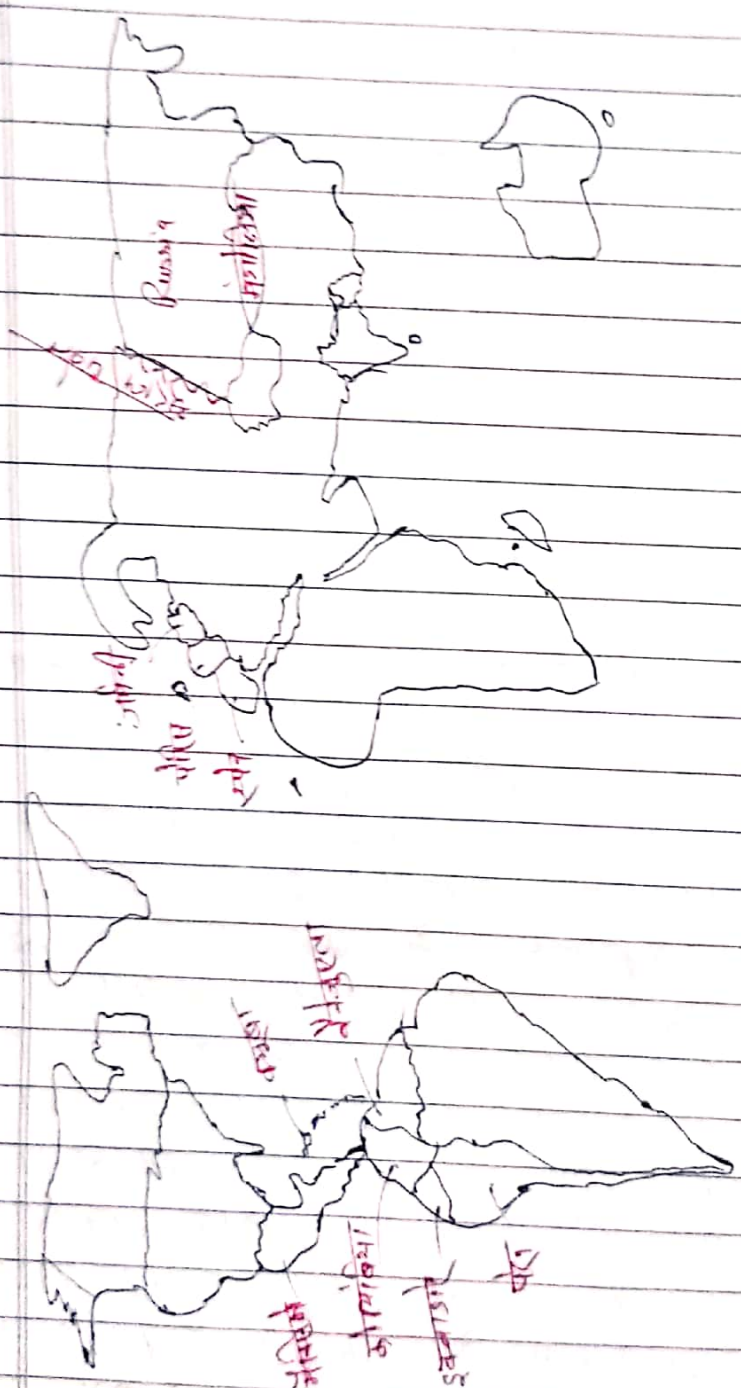

Date
Page

→ हम्बोल्ट महोदय को जैव भूगोल का संस्थापक भी माना जाता है

→ हम्बोल्ट महोदय ने इन यात्राओं के दौरान पहली बार कालमापी यंत्र (Chronometer) का उपयोग कर धरातल पर देशांतरों को निश्चित किया और वायुदाबमापी की सहायता से ऊंचाईयां निर्धारित की।

→ इन्होंने एक विशेष प्रकार की भू-संरचना में हीरे एवं प्लेटिनम मिलने की संभावना बताई जिसे सही पाया गया

→ 60 वर्ष की आयु में रूस के राजा के निमंत्रण पर यूराल पर्वतीय क्षेत्र के धात्विक खनिज प्रदेशों का अध्ययन किया।

→ इस यात्रा के दौरान मंगोलिया पहुंचे और तापमान में होनेवाले अंतर को नोट किया तथा रूस से प्राप्त तापमान संबंधी आकड़ों की सहायता से विश्व का पहला तापमान संबंधी मानचित्र बनाया। और इसके पश्चात मौसम विज्ञान को भूगोल में सम्मिलित किया गया।

→ अपनी इस यात्रा का वर्णन इन्होंने Asie Centrale (मध्य एशिया) में छपवाया

→ इसके पश्चात वह जर्मनी की राजधानी बर्लिन लौट आए और इनकी राजनीतिक योग्यता के आधार पर फ्रांस की राजधानी पेरिस भेजा गया।

→ यहां का वातावरण इन्हे वैज्ञानिक खोज के लिए अनुकूल लगा और यहां 19 वर्षों तक रह कर अपने दक्षिण अमेरिका का यात्रा वृतांत लिखा साथ ही अपनी बहुचर्चित पुस्तक Cosmos ~~(1845)~~ में 5 खण्डों में लिखी जिसे 1947 में प्रकाशित की

→ बाद में Cosmography को दो भागों में विभक्त किया (i) यूरेनोग्राफी (ii) ज्योग्राफी

Scanned with CamScanner

हम्बोल्ट की संकल्पना -

i) पृथ्वी तल की संकल्पना मानवीय निवास के रूप में →
ii) संसार के स्थानिक वितरणों का विज्ञान
iii) सामान्य भूगोल का ही नाम भौतिक भूगोल है।
iv) भूगोल संबंधों का अध्ययन है।
v) सांसारिक परिघटनाओं की समझ
vi) भूगोल में परिघटनाओं की विषमता
vii) प्रकृति की एकता

हम्बोल्ट की शोध विधी -

i) अनुभाविक विधी → प्रेक्षण, परीक्षण द्वारा ज्ञान प्राप्त करना
ii) क्रमबद्ध प्रणाली → वर्गीकरण रीति के द्वारा अध्ययन करना
iii) तुलनात्मक विधी → परिघटनाओं, वितरणों के प्रेक्षणों, उदाहरणों तथा तथ्यों की तुलना कर निष्कर्ष निकालना
iv) पूरी शुद्धता → प्रत्येक प्रक्रिया में सूक्ष्मता से पालन
v) मानचित्र उपयोग → तथ्यों का प्रदर्शन मानचित्र द्वारा